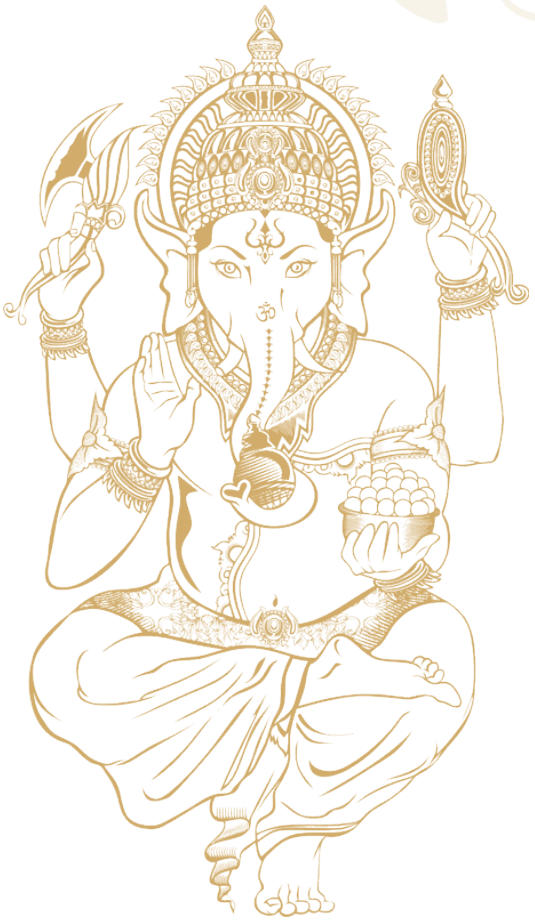

L

16 Feb 2026

02:28 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121341321

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/02/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**14:28:00 घंटे**
इष्ट	18:42:25 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:06:52 घंटे
वेलान्तर	-00:14:04 घंटे
साम्पातिक काल	23:52:20 घंटे
सूर्योदय	06:59:02 घंटे
सूर्यास्त	18:11:46 घंटे
दिनमान	11:12:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	03:28:00 कुम्भ
लग्न के अंश	16:21:25 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वरियान
करण	शकुनि
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खे-खेमचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	16:21:25	317:42:02	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	03:28:00	01:00:36	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मक	19:55:48	12:52:20	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	सम राशि
मंगल		अ	मक	24:34:26	00:47:14	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	उच्च राशि
बुध			कुंभ	20:58:19	01:20:59	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:42:11	00:04:22	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	13:13:07	01:15:05	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
शनि			मीन	06:02:18	00:06:42	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:44:02	00:01:09	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:44:02	00:01:09	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:18:09	00:00:39	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:23:01	00:01:59	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:56:56	00:01:48	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	03:41:29	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:27

लग्न-चलित

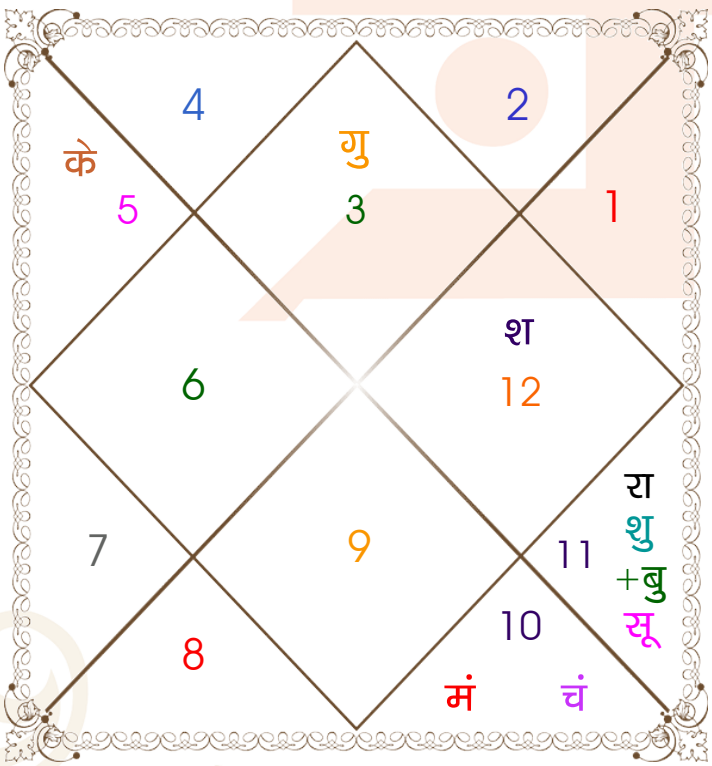

चन्द्र कुंडली

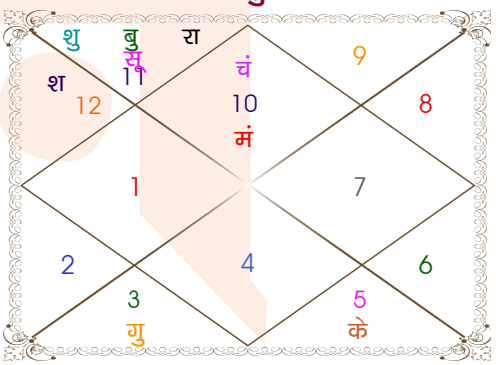

नवमांश कुंडली

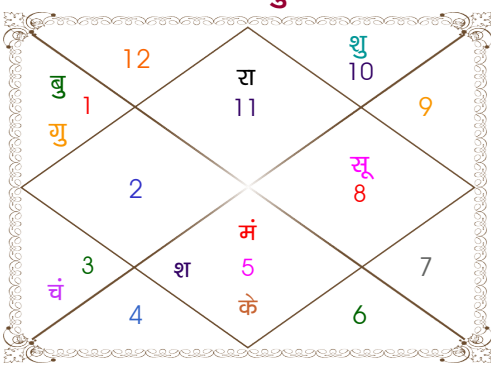

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 6 मास 19 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
16/02/2026		05/09/2028		06/09/2035		06/09/2053		06/09/2069	
05/09/2028		06/09/2035		06/09/2053		06/09/2069		05/09/2088	
	00/00/0000	मंगल	02/02/2029	राहु	19/05/2038	गुरु	25/10/2055	शनि	08/09/2072
	00/00/0000	राहु	20/02/2030	गुरु	12/10/2040	शनि	07/05/2058	बुध	20/05/2075
	00/00/0000	गुरु	27/01/2031	शनि	19/08/2043	बुध	12/08/2060	केतु	27/06/2076
	00/00/0000	शनि	07/03/2032	बुध	07/03/2046	केतु	19/07/2061	शुक्र	28/08/2079
	00/00/0000	बुध	04/03/2033	केतु	26/03/2047	शुक्र	19/03/2064	सूर्य	09/08/2080
	16/02/2026	केतु	31/07/2033	शुक्र	26/03/2050	सूर्य	05/01/2065	चंद्र	10/03/2082
केतु	07/07/2026	शुक्र	30/09/2034	सूर्य	17/02/2051	चंद्र	07/05/2066	मंगल	19/04/2083
शुक्र	07/03/2028	सूर्य	05/02/2035	चंद्र	18/08/2052	मंगल	13/04/2067	राहु	23/02/2086
सूर्य	05/09/2028	चंद्र	06/09/2035	मंगल	06/09/2053	राहु	06/09/2069	गुरु	05/09/2088

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
05/09/2088		07/09/2105		06/09/2112		06/09/2132		07/09/2138	
07/09/2105		06/09/2112		06/09/2132		07/09/2138		00/00/0000	
बुध	02/02/2091	केतु	03/02/2106	शुक्र	07/01/2116	सूर्य	25/12/2132	चंद्र	08/07/2139
केतु	30/01/2092	शुक्र	05/04/2107	सूर्य	06/01/2117	चंद्र	26/06/2133	मंगल	06/02/2140
शुक्र	30/11/2094	सूर्य	11/08/2107	चंद्र	07/09/2118	मंगल	31/10/2133	राहु	07/08/2141
सूर्य	07/10/2095	चंद्र	11/03/2108	मंगल	07/11/2119	राहु	25/09/2134	गुरु	07/12/2142
चंद्र	07/03/2097	मंगल	07/08/2108	राहु	07/11/2122	गुरु	14/07/2135	शनि	08/07/2144
मंगल	04/03/2098	राहु	26/08/2109	गुरु	08/07/2125	शनि	25/06/2136	बुध	07/12/2145
राहु	22/09/2100	गुरु	01/08/2110	शनि	06/09/2128	बुध	02/05/2137	केतु	17/02/2146
गुरु	29/12/2102	शनि	10/09/2111	बुध	08/07/2131	केतु	07/09/2137		00/00/0000
शनि	07/09/2105	बुध	06/09/2112	केतु	06/09/2132	शुक्र	07/09/2138		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 6 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।